TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

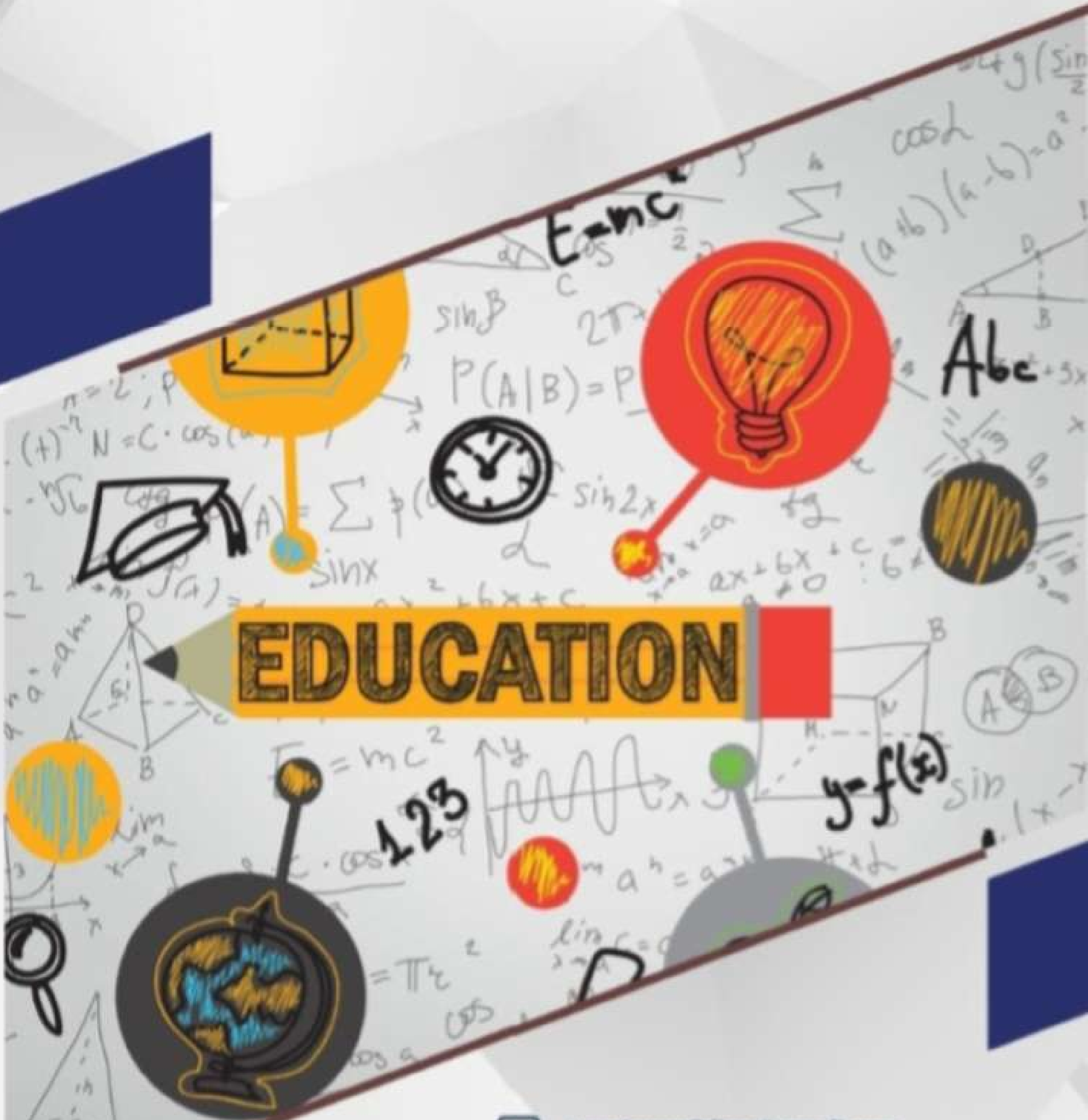

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

पुण्यतिथि विशेष

20 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

अहिंसा एक ऐसा हथियार है जिसका मुकाबला

दुनिया की कोई भी ताकत नहीं कर सकती।

ख़ान अब्दुल गफ़्फ़ार ख़ान

(स्वतंत्रता सेनानी)

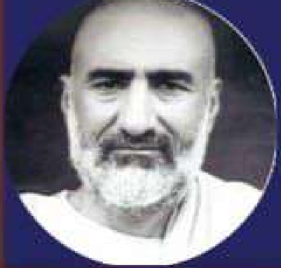

जन्म : 06 फरवरी 1890 मृत्यु : 20 जनवरी 1988

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष
20 जनवरी

मधु प्रिया

बिंदेश्वरी दुबे का निधन 20 जनवरी

बिंदेश्वरी दुबे का जन्म 14 जनवरी 1921 को हुआ था। बिहार के भोजपुर के महुआ गांव में एक विनम्र कृषक परिवार में पैदा हुए चार बेटों में से दूसरी थीं। इनके माता-पिता, जानकी देवी एवं शिव नरेश दूबे थे। चार भाईयों के बीच यह दूसरे स्थान पर थे। अन्य तीन राजेन्द्र दूबे, नर्भदेश्वर दूबे एवं पद्म देव दूबे थे। संत माईकल विद्यालय, पटना में मेट्रिक एवं साइंस कॉलेज, पटना में इंटर करने के बाद इन्हें बिहार कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग (अभी का एन•आई•टी, पटना) में दाखिला मिला। इन्होंने अंतिम साल में इंजिनियरिंग की पढ़ाई छोड़ दी और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए। एक भारतीय राजनेता, प्रशासक, स्वतंत्रता सेनानी एवं श्रमिक नेता थे जो बिहार के मुख्यमंत्री, केन्द्रीय केबिनेट मंत्री (कानून एवं न्याय तथा श्रम एवं रोजगार), इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष आदि भी रहे। इससे पूर्व ये अखंड बिहार (एवं झारखंड) सरकारों में भी शिक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रहे। 1970 से 1974 तक सातवीं लोक सभा के सदस्य,1977 से 1993 तक राज्य सभा के सदस्य तथा छह बार विधान सभा के सदस्य रहे। इन्होंने देश की कोलियरियों के राष्ट्रीयकरण में अहम् भूमिका निभाई थी। इनकी मृत्यु 20 जनवरी 1993 लेडी वेलिंगटन हॉस्पिटल, चेन्नई में हुई।

हरिवंश राय बच्चन जी का जन्म 27 नवम्बर 1907 को

Teachers of Bihar
The change makers

पुण्यतिथि विशेष 20 जनवरी

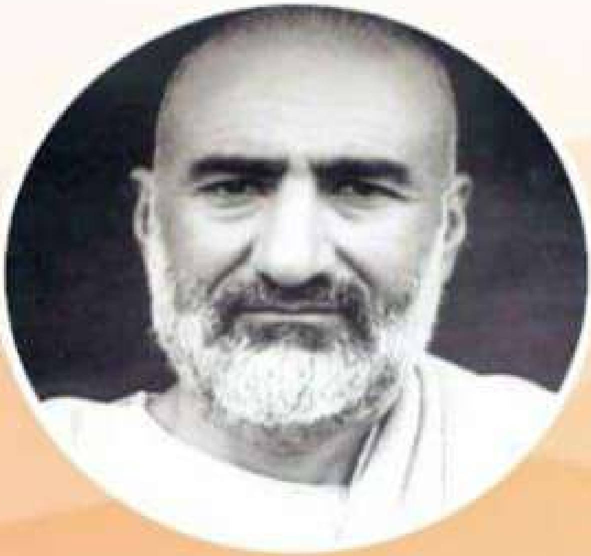

'सीमांत गांधी'

के नाम से प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

भारत रत्न

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान *Khan Abdul Ghaffar Khan*, जन्म: 6 फ़रवरी, 1890; मृत्यु: 20 जनवरी, 1988) महान् राजनेता थे, जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और अपने कार्य और निष्ठा के कारण "सरहदी गांधी" (सीमान्त गांधी), "बाचा ख़ान" तथा "बादशाह ख़ान" के नाम से पुकारे जाने लगे। 20वीं शताब्दी में पख़्तूनों (या पठान; पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान का मुसलमान जातीय समूह) के सबसे अग्रणी और करिश्माई नेता थे, जो महात्मा गांधी के अनुयायी बन गए और उन्हें 'सीमांत गांधी' कहा जाने लगा।

TOB खेल कॉर्नर

WPL

जीतने वाली टीमें

मुंबई इंडियंस

2023

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

2024

मुंबई इंडियंस

2025

*तीनों सीजन दिल्ली कैपिटल्स रनर-अप रही।

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 20.01.2026

भाषा विकास

भाषा विकास (**Language Development**) वह प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति जन्म से ही ध्वनियों और संकेतों के माध्यम से बोलना, समझना और विचारों का आदान-प्रदान करना सीखता है, जो बड़बड़ाने, एक-शब्द और फिर कई-शब्दों के वाक्यों के प्रयोग तक चलता है, और यह संज्ञानात्मक, सामाजिक विकास का आधार है, जिसमें बातचीत, कहानियाँ सुनना, और भाषा-समृद्ध वातावरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

बिहार के केसरिया में बना दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग। विराट रामायण मंदिर में हुआ भव्य स्थापना समारोह। यह मंदिर अयोध्या के राम मंदिर से लगभग तीन गुना बड़ा होगा। दुनिया के सबसे विशाल धार्मिक स्मारकों में होगा शामिल।

राकेश कुमार

"

धनी दे रहे सकल सर्वस्व,
तुम्हें इतिहास दे रहा मान;
सहस्रों बलशाली शार्दूल
चरण पर चढ़ा रहे हैं प्राण।
दौड़ती हुई तुम्हारी ओर
जा रहीं नदियाँ विकल, अधीर;
करोड़ों आँखें पगली हुईं,
ध्यान में झलक उठी तस्वीर।

रामधारी सिंह दिनकर

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
7th
Foundation Day
20 January
7 साल की यात्रा—संघर्ष से संकल्प तक, और संकल्प से बदलाव तक।
www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
बिन्देश्वरी दुबे
जन्म-14 जनवरी 1921
मृत्यु-20 जनवरी 1993
MADHU PRIYA
/teachersofbihar

"ToB 7th स्थापना दिवस स्पेशल"

"टीचर्स ऑफ बिहार की आत्मकथा"

मैं आज इसी दिन, इसी तारीख़,
को किसी आदेश से पैदा नहीं
हुआ।मेरा जन्म एक एहसास से
हुआ। एक ऐसा एहसास जो हर
उस शिक्षक के सीने में दबा था
जो रोज़ बच्चों को हँसाता था
और खुद चुपचाप रोता हुआ टूट
जाता था।

मैं उस पल जन्मा
जब एक शिक्षक ने
क्लास खत्म होने के बाद
ब्लैकबोर्ड को देर तक देखा
और खुद से पूछा
"क्या मेरी ज़िंदगी बस यहीं तक
है?"

हाथ में मोबाइल लेकर देखा तो
बारह बज चुका था,
रात का सन्नाटा था,
घर सो चुका था,
लेकिन शिक्षक जाग रहा था
अपने सवालों के साथ।
किसी ने लिखा
"भाई, अब कब तक ऐसे ही?"

कोई जवाब नहीं आया...
लेकिन खामोशी चिल्ला रही थी
मैंने देखा है एक शिक्षक को
सुबह स्कूल जाते हुए
अपने बच्चे को सिर्फ़ यह कहकर
चुप कराते हुए-
"आज पापा बच्चों के लिए देर
से आएँगे।"

मैंने देखा है
एक शिक्षिका को
टूटे फर्श पर खड़े होकर
पूरा भविष्य रचते हुए।

मैंने देखा है
कैसे शिक्षक
अपने वेतन से
कक्षा सजाता है
और सम्मान
उधार में भी नहीं मि
लता।

मैंने उन आँसुओं को देखा है
जो किसी के सामने नहीं गिरे।
जो बस रात की चादर में
सोख लिए गए।

मैंने उन अपमानों को देखा है
जो लिखे नहीं गए,
क्योंकि शिक्षक
अपमान से नहीं,
अपने कर्तव्य से बँधा होता है।

मैं कोई नारा नहीं हूँ।
मैं किसी मंच की गूँज नहीं हूँ।
मैं सहने की आदत हूँ
जो अब साथ खड़े होने में बदल
रही है।

धीरे-धीरे
मैं बड़ा नहीं हुआ—
मैं गहरा हुआ।
मेरे साथ वे शिक्षक आए
जिनके पास बोलने का साहस
नहीं था लेकिन सच था।

मैंने किसी से यह नहीं कहा—
"लड़ो।"
मैंने बस कहा—
" मैं से हम की ओर चलो"
मैंने सरकारी विद्यालय को
उसकी खोई हुई गरिमा लौटाने
की
कोशिश की।
मैंने यह याद दिलाया
कि जहाँ संसाधन कम होते हैं,
वहाँ संकल्प बड़ा होता है।

मैंने बताया
बिहार का शिक्षक
कमज़ोर नहीं है, वह
बस बहुत ज़्यादा
सहनशील है।

आज मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ
तो रास्ता काँटों से भरा दिखता
है।
लेकिन अब हर काँटे पर
किसी शिक्षक के कार्यों के फूल
भी लगे है।

आज भी मेरे भीतर
वही पहला शिक्षक है,
जो बच्चों के नाम याद रखता है,
भले ही कोई उसका नाम न
जाने।

अगर यह पढ़ते हुए
आपकी आँखें
अपने आप भर आई हैं,
तो समझ लीजिए—
यह मेरी कहानी नहीं है।
यह आपके भीतर
बरसों से चुप बैठी कहानी है
जो आज
शब्द पा गई है।

मैं कोई संस्था नहीं हूँ।
मैं कोई पहचान पत्र नहीं हूँ।
मैं एक शिक्षक का
अधूरा सपना हूँ
जो अब साथ मिलकर
पूरा होना चाहता है।

मैं टीचर्स ऑफ बिहार हूँ।
और जब तक
बिहार का एक भी शिक्षक
बच्चों के भविष्य के आगे
अपनी तकलीफ़ रखकर खड़ा
है-
मैं ज़िंदा हूँ।

- शिव ✍

Teachers of Bihar

The Change Makers

20 JANUARY

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

7th Foundation Day

आइए हम सब मिलकर स्थापना दिवस मनाएं,

बिहार के सरकारी विद्यालयों को आगे बढ़ाएं।

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari